JUC 100422

JAIN
DEEMED-TO-BE UNIVERSITY

Declared as Deemed-to-be University u/s 3 of the UGC Act, 1956
vide MHRD Notification No. F-9-57/2007-U3(A)

We, the Chancellor, Vice Chancellor, Members of the Board of Management & Academic Council certify that

Kiruthika Kv

having been examined in July-2020 with Reg. No. 18MAREN024 and placed in First Class in the Degree of

MASTER OF ARTS
in English

has been conferred on him/her by Jain (Deemed-to-be University), Bengaluru on the 23rd day of the month of January 2021. In Testimony whereof are set the seal of the said University and the signature of the said Vice Chancellor

Date : 23.01.2021

Vice Chancellor

जैन
अभिमत पात्र विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के अनुभाग 3 के अन्तर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एफ. 9-57/2007- यू 3(ए) के द्वारा अभिमत पात्र विश्वविद्यालय के रूप में घोषित

हम, कुलाधिपति, कुलपति, प्रबन्धन समिति एवं शैक्षिक परिषद् के सदस्य प्रमाणित करते हैं कि

कृतिका के वी

जिनकी पंजीयन संख्या 18MAREN024 है,
जुलाई - २०२० के परीक्षोपरांत

कला स्नातकोत्तर
अंग्रेज़ी

की उपाधि में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।
जैन (अभिमत पात्र विश्वविद्यालय), बेंगलूरु की ओर से दिनांक २३ जनवरी २०२१ को इन्हें यह उपाधि प्रदान की गई है, जिसके प्रमाण स्वरूप उक्त विश्वविद्यालय की मोहर एवं उक्त कुलपति के हस्ताक्षर अंकित हैं ।

कुलपति

JAIN
Declared as Deemed-to-be University u/s 3 of the UGC Act, 1956

CHECKED AND FOUND CORRECT

COE

Registrar

For Education purpose:
K. V. Kiruthika